आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)

सोमवार 27.05.2024 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- चारधाम और तीर्थयात्रा मार्ग के अन्य स्थलों पर श्रद्धालुओं तथा वाहनों की धारण क्षमता का आकलन करने के निर्देश।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को सुव्यवस्थित चारधाम यात्रा के लिए आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा।
- आदि कैलाश यात्रा के लिए बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के पहुंचने के मद्देनजर पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय में भी इनर लाइन परमिट बनाने की सुविधा शुरू।
- रुद्रप्रयाग जिले में 20 चिकित्सकों ने कार्यभार ग्रहण किया, यात्रा मार्ग पर दी जाएगी तैनाती।
- प्रदेश के मैदानी हिस्सों में अत्यधिक गर्मी, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में तापमान चालीस डिग्री सेल्सियस के पार।

समीक्षा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सचिवालय में चारधाम यात्रा, मानसखण्ड मदिंर माला मिशन, कैंचीधाम और पूर्णागिरी में विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि चारों धामों की धारण क्षमता के अलावा यात्रा मार्ग के अन्य स्थलों पर भी श्रद्धालुओं और वाहनों की धारण क्षमता का आकलन करना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा मार्गों और राज्य के तीर्थाटन और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों पर पार्किंग और मूलभूत आवश्यकताओं से संबंधित प्रस्ताव आवास विभाग को भेजने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि 31 मई तक ऑफलाईन पंजीकरण को बंद रखा जाएगा और यात्रा के अनुरूप ऑफलाईन रजिस्ट्रेशन पर आगे निर्णय लिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैंची धाम और पूर्णागिरी में भी श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कैंची धाम में मूलभूत सुविधाओं के साथ पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था रखी जाए। गढ़वाल और कुमांऊ की कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने दोनों मण्डलों को श्रद्धालुओं से जोड़ने लिए रानीखेत और चौखुटिया क्षेत्र में होम स्टे और अन्य सुविधाओं को विस्तार देने पर काम करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज ऋषिकेश पहुंचकर चारधाम यात्रा पंजीकरण कार्यालय और श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाओं समेत पेयजल, भोजन, स्वच्छता और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ बनाने के निर्देश दिए। श्री धामी ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए गए विश्राम स्थल, स्वास्थ्य केन्द्र और यात्रा नियंत्रण कक्ष में सभी सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थित चारधाम यात्रा के लिए आपसी समन्वय के साथ काम करने को कहा। मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये श्रद्धालुओं से बातचीत कर यात्रा व्यवस्थाओं के बारे में भी जानकारी ली।

निर्देश

अपर मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने केदारनाथ धाम में दर्शन के लिए पहुंच रहे तीर्थयात्रियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये हैं। केदारनाथ धाम पहुंचे अपर मुख्य सचिव ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के

साथ बैठक कर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। अपर मुख्य सचिव ने सुरक्षित यात्रा पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश देते हुए कहा कि केदारनाथ धाम के मुख्य पड़ावों पर पार्किंग स्थल न होने पर यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका जाए और उनके लिए ठहरने की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने धाम में स्वच्छता का विशेष प्रबंध करने के निर्देश भी दिये।

पीआरडी जवानों की तैनाती

केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर इस वर्ष भी पीआरडी के जवान तैनात किए गए हैं। पी.आर.डी जवान, यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की जरूरत पड़ने पर मदद की कर रहे हैं। राज्य सरकार ने इन जवानों का पहली बार 10 लाख रुपये तक का बीमा कराया गया है। साथ ही उनके भोजन–पानी की भी प्रशासन के स्तर से बेहतर व्यवस्थाएं की गई हैं। गौरतलब है कि केदारनाथ पैदल मार्ग में कठिन परिस्थितियों के बीच पीआरडी के ये जवान श्रद्धालुओं की सेवा से लेकर रेस्क्यू तक की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। साथ ही म्यूल टास्क फोर्स के अंतर्गत घोड़े–खच्चरों के मानक अनुसार संचालन का कार्य भी पीआरडी के जवानों द्वारा देखा जा रहा है। पिछले वर्षो की तुलना में इस वर्ष दोगुनी संख्या में पीआरडी जवानों की ड्यूटी यात्रा में लगायी गई है।

त्रियुगीनारायण

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित शिव–पार्वती विवाह स्थल त्रियुगीनारायण मंदिर में 10 मई से अब तक 60 हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। मंदिर में लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए प्रशासन ने यात्रा मार्ग और मंदिर में यात्रा सुविधाओं को बेहतर बनाया है। यहां पेयजल, शौचालय और बिजली की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। सोनप्रयाग–त्रियुगीनारायण मोटर मार्ग को वन–वे करने से इस बार त्रियुगीनारायण तक पहुंचने में यात्रियों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो रही है। उधर, गुप्तकाशी स्थित विश्वनाथ मंदिर में भी अभी तक 20 हजार श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर चुके हैं।

बदरीनाथ वैकल्पिक मार्ग

बदरीनाथ–केदारनाथ यात्रा के वैकल्पिक मोटर मार्ग डुंगरीपंथ–छांतीखाल–खेड़ाखाल के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग ने शासन को तीस करोड़ का प्रस्ताव भेजा है। इससे मार्ग को डबल लेन करने के साथ ही मरम्मत और अन्य कार्य भी किए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता किशोर कुमार ने बताया कि वर्तमान में यह मार्ग, विभिन्न स्थानों पर बेहतर स्थिति में नही है। उन्होंने बताय कि इस मार्ग का पूरा एलाइमेंट बदलकर इसकी चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस मार्ग के बनने से बदरीनाथ और केदारनाथ मार्ग की यात्रा सुगम हो जाएगी और ऋषिकेश–बदरीनाथ राजमार्ग पर यातायात का दबाव भी कम होगा।

इनर लाइन परमिट व्यवस्था

पिथौरागढ़ में आदि कैलाश यात्रियों की सुविधा को देखते हुए जिला मुख्यालय में भी इनर लाइन परमिट बनाने की व्यवस्था शुरू की गई है। अपर जिलाधिकारी शिव कुमार बरनवाल ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए धारचूला के साथ अब पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय भी इनर लाइन परमिट बनाने की व्यवस्था शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इसके लिए मेडिकल टीम के साथ ही पुलिस विभाग और अन्य कर्मियों को नियुक्त किया है। साथ ही जिला अस्पताल में दो कक्ष इनर लाइन परमिट बनाने के काम के लिए आरक्षित किए गए

है। गौरतलब है कि इन दिनों पिथौरागढ़ जिले के चीन सीमा से लगे आदि कैलाश में देश भर के पर्यटक बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

तैनाती

रुद्रप्रयाग जिले में 20 चिकित्सकों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। ये सभी चिकित्सा चारधाम यात्रा के मद्देनज़र चुनाव आयोग की विशेष अनुमति पर तैनात किए गए हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर हरीश चंद्रसिंह मर्तोलिया ने बताया कि स्वास्थ्य निदेशालय ने संविदा व अनुबंध के आधार पर जिले में तीस चिकित्सकों की तैनाती के आदेश जारी किए हैं और अब तक कुल बीस चिकित्सकों ने कार्यभार ले लिया है।

मौसम

राज्य के मैदानी क्षेत्रों में आज दोपहर के समय अत्यधिक गर्मी महसूस की गई। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से तीन से चार डिग्री सेल्सियस अधिक है। हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान चालीस डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। प्रदेश के अन्य मैदानी हिस्सों में भी तापमान पैंतीस से चालीस डिग्री के बीच दर्ज किया जा रहा है। पिछले चौबीस घण्टों में राज्य में सबसे अधिक तापमान रूड़की में 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चौबीस घण्टों में राज्य में तापमान में और अधिक बढोतरी होने की संभावना है। इस बीच, मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर को छोड़कर अन्य हिस्सों में गरज के साथ हल्की बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। विभाग ने इस दौरान तीस से चालीस किलोमीटर प्रतिघण्टा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना भी जताई है।

अग्निकांड

उत्तरकाशी जिले के मोरी विकासखण्ड के सालरा गांव में आग लगने से कई घरों को नुकसान पहुंचा है। घटना आज सुबह हुई, जिसकी सूचना करीब साढ़े ग्यारह बजे मिली। सूचना मिलने पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी और तहसीलदार के नेतृत्व में एस०डी०आर०एफ, पुलिस और राजस्व विभाग की टीम को घटना स्थल पर भेजा। सड़क से पैदल दूरी अधिक होने पर गांव में पहुंचने में समय अधिक लगा। हालांकि अब आग को फैलने से रोक लिया गया है और आग को पूरी तरह से बुझाने के प्रयास किये जा रहे हैं।